सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

# स्वराज इंडिया

कानपुर, बुधवार, 01 अक्टूबर, 2025
वर्ष: 02, अंक: 258, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

» Pg12
सीएम योगी ने कन्याओं के पांव पखारे

इनसाइड: भ्रष्ट कानूनगो आलोक दुबे पर कड़ी कार्रवाई की मांग... » Pg04

## शहर को दंगे की आग में झोंकने वालों पर कस रहा शिकंजा

# बरेली बवाल में पुलिस ने किया बोरा-बुंदन का हाफ एनकाउंटर

## सिपाही की छीन ली थी एंटी राइट गन, पुलिस पर चलाई थीं गोलियां, उपद्रवियों को बख्शने के मूड में नहीं यूपी पुलिस

लंगड़ाते दिखे बदमाश

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**बरेली। बरेली में बवाल के बाद ऐक्शन जारी है। बुलडोजर और मुडभेड़ के बीच पुलिस की एंटी राइट गन लूट ले जाने वाले दो बदमाशों का हाफ एनकाउंटर हुआ। सीबीगंज में पुलिस मुठभेड़ के दौरान दोंनों बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दोनों के पैर में गोली मारी है, जिससे वे गिर गए। उनके कब्जे से लूटी गईं एंटी राइट गन भी बरामद हो गई है। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दौरान दोनों बदमाश लंगड़ाते दिखे।**

बता दें कि मौलाना तौकीर रजा के बुलावे पर इस्लामिया ग्राउंड जाने की कोशिश कर रही भीड़ ने 26 सितम्बर को बवाल कर दिया था। इस दौरान करीब दस स्थानों पर पुलिस पर पथराव और फायरिंग किया गया। पुलिस का वायरलेस सेट और एंटी राइट गन लूट की गई। बुधवार को सीबीगंज पुलिस ने यह गन लूटने वाले दोनों बदमाशों को बंडिया नहर के पास मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। बदमाशों ने अपने नाम शाहजहांपुर में थाना मदनापुर के इस्लामनगर निवासी इदरीश और गढ़ी निवासी इकबाल बताए हैं।

गिरफ्तार बदमाश इदरीश और इकबाल शातिर बदमाश हैं। इदरीश के खिलाफ प्रदेश के कई थानों में लूट, डकैती, चोरी और गैंगस्टर समेत 20 मुकदमे दर्ज हैं। इकबाल भी उसका साथी है और उस पर 17 मुकदमे दर्ज हैं। उनके कब्जे से दो तमंचे, कारतूस, खोके, मोबाइल और बाइक बरामद हुई है।

आपको बता दें कि बवाल को लेकर पुलिस ने कोतवाली, बारादरी, प्रेमनगर, किला और कैंट थाने में दस मुकदमे दर्ज किए थे। इनमें तौकीर रजा समेत 126 को नामजद करते हुए 3225 अन्य अज्ञात को आरोपी बनाया था। अब तक पुलिस 81 उपद्रवियों को गिरफ्तार कर 72 को जेल भेज चुकी है। अब तक जेल गए आरोपियों में नदीम, अनीस सकैलनी और फरहत समेत कई आईएमसी के नेता हैं।

### पुलिस ने जारी किया बवाल का ड्रोन वीडियो

बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद से अब तक 75 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस बीच पुलिस ने बुधवार को बवाल से संबंधित ड्रोन वीडियो जारी किए हैं। पुलिस के मुताबिक ये वीडियो उस वक्त हैं, जब बिहारीपुर इलाके में नमाज के बाद खलील तिराहे के पास सड़क पर भीड़ जुटी थी। बेकाबू भीड़ को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। जब लोग नहीं माने तो पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था। ड्रोन वीडियो में बेकाबू भीड़ को पुलिस रोकने का प्रयास करती दिख रही है। इसके बाद लाठीचार्ज होता है।

### बिहार और बंगाल से भी आए थे बवाली?

बरेली बवाल में एक और नया खुलासा हुआ है। खुफिया अमले ने पहले ही अंदेशा जताया था कि बरेली में उपद्रवी दूसरे जिलों और राज्यों से भी आए थे। इसकी तस्दीक उपद्रवियों की गिरफ्तारी के बाद हो गई है। कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को कुल 14 उपद्रवी गिरफ्तार किए। इनमें से दो उपद्रवी बिहार के रहने वाले हैं। इनमें हरमेन रजा और नेमतुल्ला बिहार के जिला पूर्णिया के निवासी हैं। एसपी सिटी ने बताया कि वह नौमहला मस्जिद में ही रह रहे थे। उपद्रव करने के बाद दोनों बिहार भागने की फिराक में थे तभी कोतवाली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इनके अलावा सोमवार को जेल भेजे गए दो आरोपी बिहार व पश्चिम बंगाल के निवासी थे।

## विवाद या साजिश? पत्नी-बेटी ने जताई आशंका, सीएम योगी से की जांच की मांग

# देर से पानी लाने पर भड़के गायत्री प्रसाद, नाराज कैदी ने फोड़ा सिर

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**लखनऊ। पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति पर हुए हमले के बाद उनके परिवार ने बुधवार को उनकी सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। साथ ही परिवार ने हमले को एक साजिश का हिस्सा बताया है। पूर्व मंत्री पर मंगलवार को लखनऊ जिला जेल में हमला हुआ था, हमले में उनके सिर पर चोट आई थी।**

***सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उन पर हुए कथित हमले की न्यायिक जांच की मांग की है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा- पूर्व विधायक और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री गायत्री प्रजापति पर जेल में हुए जानलेवा हमले की निष्पक्ष न्यायिक जांच होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश में कहीं भी कोई सुरक्षित नहीं है।***

अस्पताल से निकलते समय प्रजापति ने बताया कि उन पर एक सजायाफ्ता कैदी विश्वास ने चाकू से हमला किया। उनकी बेटी अंकिता प्रजापति ने कहा कि उनके पिता पिछले आठ वर्षों से एक ऐसे अपराध (सामूहिक दुष्कर्म) के लिए जेल में हैं जो उन्होंने कभी किया ही नहीं। आरोपी महिला का मेडिकल नहीं कराया गया और पिता को आजीवन कारावास की सजा सुना दी गई। हमारी बात नहीं सुनी। हमने मुख्यमंत्री से मिलने और मदद करने का अनुरोध किया। मेरे पिता निर्दोष हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पिता की जान को खतरा है और जेल में उनकी सुरक्षा बढ़ाई जानी चाहिए। अमेठी से सपा विधायक और गायत्री की पत्नी महाराजी प्रजापति ने कहा कि जेल में जो कुछ भी हुआ वह एक साजिश थी। मैं सरकार से अपने पति के साथ न्याय की मांग करती हूं।

पुलिस ने बताया कि अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रहे प्रजापति पर एक साथी कैदी ने हमला कर दिया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि झगड़े के दौरान कैदी ने कथित तौर पर प्रजापति पर अलमारी की एक स्लाइडिंग हिस्से से प्रहार किया, जिससे उन्हें चोट आई। प्रजापति अब पूरी तरह से ठीक हो गए हैं। प्रजापति दुष्कर्म सहित कुछ मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं।

सामूहिक दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे गायत्री प्रजापति डायबिटीज, बीपी, किडनी, कमर दर्द समेत अन्य बीमारियों से ग्रसित हैं। इसी वजह से उन्हें जेल अस्पताल में रखा गया है। जेल अफसरों के मुताबिक, मंगलवार की शाम करीब साढ़े छह बजे उन्होंने अस्पताल में साफ सफाई करने वाले बंदी विश्वास को पानी देने के लिए बुलाया था।

पानी लाने में देरी होने पर गायत्री ने बंदी से कुछ कह दिया। इस पर दोनों में बहस हो गई। नाराज बंदी ने मेज की दराज से एक छोटी लोहे की रॉड निकाली और उनके सिर पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। पूर्व मंत्री सिर पकड़ कर बैठ गए। जेल के चिकित्सक ने छह टांके लगाते हुए प्राथमिक उपचार किया। मौके पर जेल अधीक्षक व जेलर समेत अन्य अधिकारी भी पहुंच गए। चोट को देखते हुए पूर्व मंत्री को कड़ी सुरक्षा के बीच ट्रॉमा सेंटर भेजा गया था।

# शुक्लागंज की पहचान रही सरस्वती टॉकीज 'राख'

» आग लगने से पहले शो शुरू होने वाला था,लग गई भयंकर आग

## सिनेमा के सुनहरे दौर की गवाह दीवारें, अब सिर्फ यादों में जिंदा रहेंगी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

**शुक्लागंज/कानपुर। उन्नाव जिले के शुक्लागंज की शान रही सरस्वती टॉकीज अब इतिहास बन चुकी है। दशकों तक हजारों सपनों और मुस्कुराहटों की गवाह रही यह सिनेमा हॉल रविवार देर रात आग की लपटों में समा गई। धुएँ और राख में तब्दील हो चुकी सरस्वती टॉकीज अब केवल लोगों की यादों में जिंदा रहेगी।**

शुक्लागंज के लोग आज भी उस दौर को याद कर रहे हैं जब चलो सरस्वती में फिल्म देखते हैं एक मोहल्ले की पहचान हुआ करता था। टिकट खिड़की पर लगी कतारें, एक–दो रुपये का टिकट, हॉल में गूंजती तालियाँ, पर्दे पर चमकती रील और बाहर समोसे–चाय की खुशबू—यही था सरस्वती का संसार।यह वही सिनेमा हॉल था जहाँ बच्चों की खिलखिलाहट गूँजती थी, कॉलेज के लड़के–लड़कियाँ चोरी–छिपे अपने सपनों के सितारे देखने आते थे और परिवार त्योहारों पर एक साथ बैठकर फिल्म का आनंद लेते थे। शोले जैसी सुपरहिट फिल्मों के समय तो यहाँ टिकट के लिए बाहर तक लंबी भीड़ लग जाती थी।स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि सरस्वती टॉकीज सिर्फ ईंट–पत्थर का ढांचा नहीं थी, बल्कि वह दौर की पहचान थी जब सिनेमा ही लोगों के जीवन का सबसे बड़ा मनोरंजन था। अब जबकि आग ने इसकी दीवारें निगल ली हैं, शुक्लागंज के हर दिल में इसके किस्से जिंदा हैं।

### टॉकीज की प्रसिद्धि का सफर

सरस्वती टॉकीज कभी पूरे शुक्लागंज और आसपास के कस्बों का सबसे लोकप्रिय मनोरंजन केंद्र थी।

70 और 80 के दशक में यहाँ शोले, दीवार, मुग़ल–ए–आज़म और हम आपके हैं कौन जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों पर टिकट मिलना मुश्किल हो जाता था।

त्योहारों और छुट्टियों पर गेट के बाहर मानो मेले जैसा माहौल बन जाता था।

इसे उस दौर की सांस्कृतिक धड़कन और युवाओं की मुलाक़ात की जगह माना जाता था।

# अष्टमी के अवसर पर बालिका गृह में हुआ कन्या पूजन

» जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की धर्मपत्नी रश्मि सिंह और अपर जिलाधिकारी की पत्नी भी हुई शामिल

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर।शारदीय नवरात्रि की अष्टमी तिथि पर जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की धर्मपत्नी रश्मि सिंह तथा अपर जिलाधिकारी नगर डॉ. राजेश कुमार की धर्मपत्नी ने स्वरूप नगर स्थित बालिका गृह में पहुंचकर कन्या पूजन किया।

इस अवसर पर उन्होंने वहां रह रही बालिकाओं को टीका लगाकर फल, मिठाई एवं उपहार भेंट किए।कार्यक्रम के दौरान रश्मि सिंह ने कहा कि बालिकाओं में नौ देवियों के स्वरूप निहित हैं। आज हमारी बेटियाँ हर क्षेत्र में लड़कों से आगे बढ़ रही हैं। जरूरत है कि हम उन्हें उचित अवसर प्रदान करें, ताकि वे देश और समाज का नाम रोशन कर सकें।उन्होंने आगे कहा कि समाज के सक्षम वर्ग को आगे आकर इन बेसहारा बच्चियों की मदद करनी चाहिए, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके और वे आत्मनिर्भर बन सकें।

# फंदे पर लटका मिला सहायक प्रवक्ता की पत्नी का शव, हत्या का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**कानपुर। नवाबगंज थानाक्षेत्र के विष्णुपुरी कॉलोनी में रविवार शाम एक कॉलेज के सहायक प्रवक्ता की पत्नी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे पर लटका मिला। मायके पक्ष ने महिला के जेठ जेठानी पर हत्या करने के बाद शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। वहीं पति ने भी घटना के पीछे जेठ जेठानी पर गंभीर आरोप लगाए हैं।**

मूलरूप से फिरोजाबाद के थाना जसराना के गांव नगलामनी निवासी अलीगढ़ में आवास विकास से रिटायर्ड चरण सिंह ने बेटी सुषमा कुमारी (37) की शादी साल 2012 में नवाबगंज थानाक्षेत्र के विष्णुपुरी कालोनी निवासी नरेंद्र कुमार से की थी।

दोनों से एक बेटा कुशाग्र और बेटी अक्षिता है। पिता चरण का आरोप है कि काफी समय से बेटी सुषमा को उसके जेठ जेठानी प्रताड़ित कर रहे थे। घरेलू काम को लेकर आए दिन गालीगलौज और पीटते थे। आरोप है कि सोमवार की दोपहर बेटी ने रोते हुए उन्हें फोन करके बताया कि उन्हें फिर जेठ जेठानी ने पीटा है। इस पर वह अन्य परिवार के लोगों के साथ बेटी के ससुराल आने के लिए निकल लिए।

बताया कि जब तक वह लोग वहां पहुंचते तब देर हो चुकी थी। बेटी सुषमा का शव जमीन पर पड़ा हुआ था। वहीं पति नरेंद्र का आरोप है कि जेठ, जेठानी उनकी पत्नी सुषमा को छोटी छोटी बातों पर ताने देकर प्रताड़ित करते थे। सोमवार को वह कॉलेज में थे।

इस दौरान घर पर जेठ जेठानी ने पत्नी के साथ विवाद किया। इसके बाद उसका शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। घटना के बाद से दोनों फरार हैं। नरेंद्र का आरोप है कि करीब 13 साल पहले एक और बहू स्मिता का शव फंदे पर लटका मिला था।

नवाबगंज इंस्पेक्टर केशव तिवारी ने बताया कि पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जांच पड़ताल की है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने से विसरा सुरक्षित किया गया है। परिजनों की तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

### हंगामे के बाद दो घंटे बाद उठ सका शव

मायके पक्ष में हत्या का आरोप लगाकर पोस्टमॉर्टम हाउस में हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने पुलिस से आरोपी जेठ जेठानी की गिरफ्तारी की मांग की।

करीब दो बजे पोस्टमार्टम हो जाने के बाद मायके और ससुराल पक्ष शव ले जाने को लेकर आपस में भिड़ गए। बवाल की आशंका को देखते हुए पोस्टमार्टम हाउस में भारी पुलिस बल पहुंच गया।

दोनों के बीच पंचायत चलने के बाद करीब चार बजे पति शव लेकर भैरव घाट के लिए रवाना हो गए। वहीं घटना से आक्रोशित परिजन अंतिम संस्कार में बिना शामिल हुए सीधे फिरोजाबाद के लिए रवाना हो गए।

# ग्रीनपार्क में भारत-ए की धमाकेदार शुरुआत

## बारिश ने खाली रखी दर्शकदीर्घा

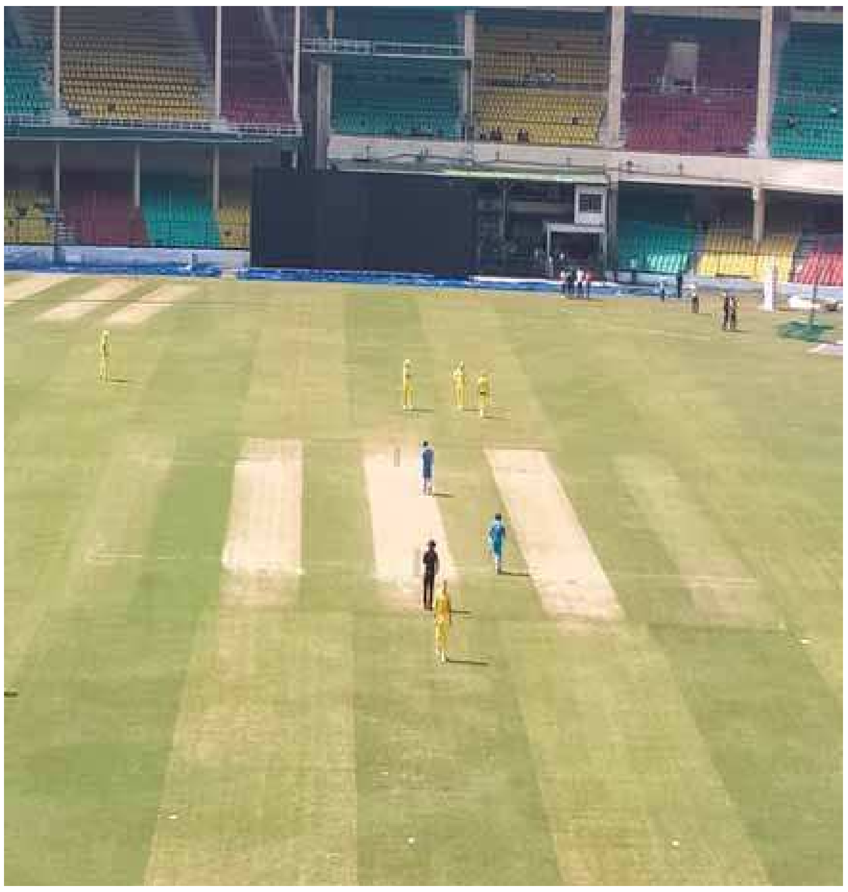

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। ग्रीनपार्क स्टेडियम में भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच गुरुवार को खेले जा रहे वनडे मुकाबले में भारतीय बल्लेबाज़ों ने आक्रामक खेल दिखाया। बारिश के कारण दर्शकदीर्घा खाली रही, लेकिन मैदान पर बल्लेबाज़ों का जज्बा पूरी तरह नजर आया। मैच का शुभारंभ सांसद रमेश अवस्थी के द्वारा किया गया।

21 ओवर में भारत-ए ने एक विकेट खोकर 140 रन बनाए। प्रयांस आर्य 69 गेंदों पर नाबाद 73 रन बनाकर टिके हुए हैं, जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 51 गेंदों पर ताबड़तोड़ 56 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।

श्रेयस अय्यर मात्र एक रन बनाकर आउट हुए।

इससे पहले सांसद रमेश अवस्थी ने मैच का उद्घाटन किया। ऑस्ट्रेलिया-ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का निर्णय लिया, लेकिन भारतीय बल्लेबाज़ों ने शुरू से ही रनगति पर पकड़ बनाए रखी।

# अनिरुद्धाचार्य पर एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग

## 16 राज्यों के 108 जिलों में महिलाओं का आक्रोश, फूंका पुतला

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**कानपुर। आपत्तिजनक बयान पर कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ गुस्सा थम नहीं रहा है। मातृशक्ति के प्रतीक नवरात्रि के अष्टमी में देशभर में महिलाओं ने एकजुट होकर कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए गिरफ्तारी की मांग की । मंगलवार को कानपुर समेत 108 जिलों में एक साथ पुतला दहन कर महिलाओं ने अपना आक्रोश प्रकट किया। प्रदर्शनकारी महिलाओं का आरोप है कि अनिरुद्धाचार्य के बयानों और आचरण से महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंची है।**

विरोध प्रदर्शन के दौरान कई जिलों में महिलाओं ने रैली निकाली और जमकर नारेबाज़ी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक कि अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही नहीं की जाती। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने कथावाचक को नारी विरोधी बताया। उनके हाथों में तख्तिया थीं, जिन पर अनिरुद्धाचार्य माफी मांगो अनिरुद्ध आचार्य व्यासपीठ छोड़ो अनिरुद्धाचार्य को गिरफ्तार क्रॉस जैसे स्लोगन लिखे थे। महिलाओं ने कहा-कथावाचक को गिरफ्तार करना चाहिए। उनका कहा था कि एक कथा वाचक को महिलाओं के प्रति ऐसे अभद्र शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

कोई व्यास पीठ में बैठकर महिलाओं के प्रति ऐसे शब्दों का इस्तेमाल कैसे कर सकता हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि प्रशासन ने अविलंब कार्रवाई नहीं की तो देश के कोने कोने में ये विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने सरकार से भी अग्रह करते हुए कहां की जल्द से जल्द ऐसे कथावाचक के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। मालूम हो की कथावाचक अनिरुद्धाचार्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था।

# भ्रष्ट कानूनगो आलोक दुबे पर कड़ी कार्रवाई की मांग

## तहसील के कुछ लेखपालों पर भी प्रशासन की नजरें टेढ़ी

तहसीलदार अनुभव चंद्रा को ज्ञापन सौंपतीं रचना सिंह व अन्य।

» पूर्व विधान सभा प्रत्याशी ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार बिल्हौर को सौंपा।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**बिल्हौर (कानपुर)। भ्रष्टाचार में संलिप्त पाए गए कानूनगो आलोक दुबे के विरुद्ध अब और कड़ी कार्रवाई की माँग उठ गई है। बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र की पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम ने सोमवार को जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार बिल्हौर अनुभव चंद्रा को सौंपकर कहा कि मात्र पदावनति कर उन्हें लेखपाल पद पर बहाल करना जनहित के साथ अन्याय है और भ्रष्टाचार को परोक्ष रूप से बढ़ावा देता है।**

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि आलोक दुबे विवादित जमीनों की खरीद-फरोख्त, अभिलेखों में हेराफेरी और अवैध बैनामों में मिलीभगत जैसे गंभीर मामलों में लिप्त हैं। सहायक महानिरीक्षक निबंधन की रिपोर्ट में उनके पास लगभग 30 करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति का खुलासा भी हुआ है। ग्राम कला का पुरवा, रामपुर भीमसेन निवासी संदीप सिंह की शिकायत पर हुई जांच में पाया गया कि दुबे ने न्यायालय में लंबित वाद के बावजूद मार्च 2024 में वरासत दर्ज की और उसी दिन बैनामा कराया। अक्टूबर 2024 में गाटा संख्या 207 को एक निजी कंपनी को बेच दिया। जांच समिति ने इसे पद का दुरुपयोग और मिलीभगत माना।

इस प्रकरण में 17 फरवरी 2025 को उन्हें निलंबित किया गया और बाद में पदावनति कर लेखपाल बना दिया गया। रचना सिंह ने ज्ञापन में मांग की है कि दुबे के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आपराधिक मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जाए, उन्हें स्थायी रूप से सेवा से बर्खास्त किया जाए और उनकी अवैध संपत्तियों की उच्चस्तरीय जांच कर जब्ती की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का यह कदम न केवल बिल्हौर तहसील बल्कि पूरे कानपुर जनपद में भ्रष्टाचार मुक्त शासन-प्रशासन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

बिल्हौर तहसील में कुछ लेखपाल अपने काम में लापरवाह और अनुशासनहीन हैं। अफसर भी ऐसे लेखपालों और कानूनगो की लिस्ट तैयार कर रहे हैं। विशेष रूप से एक लेखपाल की शिकायतें लगातार अफसरों के पास पहुंच रही हैं।कर्मचारियों से लेकर तहसील के अधिकारियों तक चर्चा है कि यह महिला लेखपालों के पीछे घूमता रहता है। और अपना काम छोड़कर उनके काम में हस्तक्षेप करता है। सूत्रों के मुताबिक तहसील मे उससे अब महिला प्रेमी लेखपाल के नाम से जाना जाता है। प्रशासन उसकी गतिविधियों पर नजर रख रहा है।

# सरकारी स्कूलों में सोशल ऑडिट के नाम पर उगाही

## शिक्षकों पर दबाव बना रहा युवक, जांच की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**बिल्हौर (कानपुर)। सरकारी स्कूलों में इन दिनों सोशल ऑडिट के नाम पर शिक्षकों को डरा-धमकाकर उनसे पैसे की उगाही करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक एजेंसी के कथित कर्मी द्वारा यह वसूली किए जाने की बात कही गई है। शिक्षकों ने इस पूरे गोरखधंधे की उच्च स्तरीय जाँच कराने की मांग की है।**

जानकारी के अनुसार, जिले के कुछ सरकारी स्कूलों में सोशल ऑडिट कराने की जिम्मेदारी एक बाहरी एजेंसी को मिली है। इस एजेंसी ने स्कूलों में डाटा जुटाने के लिए कुछ युवकों को भेजा है। बिल्हौर के राढा गाँव का रहने वाला चंदन नामक युवक इन्हीं में से एक है। आरोप है कि चंदन स्कूलों में जाता है और स्वयं को लखनऊ विश्वविद्यालय का नजदीकी बताकर शिक्षकों पर रौब जमाता है। वह स्कूल की छोटी-छोटी कमियां गिनाता है और फिर कार्रवाई का डर दिखाकर शिक्षकों पर दबाव बनाता है और उनसे अवैध रूप से पैसे की उगाही करता है।

बताया गया है कि अकेले बिल्हौर नगरपालिका क्षेत्र के दो विद्यालय इस उगाही के शिकार बन चुके हैं। इन विद्यालयों के अध्यापकों ने दबी ज़ुबान से अपना दर्द बयां किया है और कहा है कि इस युवक के कारनामों से वे परेशान हैं।

शिक्षकों का कहना है कि यह युवक सोशल ऑडिट जैसे महत्वपूर्ण काम की आ? लेकर भ्रष्टाचार कर रहा है। विभागीय अधिकारियों को इस संबंध में मौखिक सूचना दे दी गई है, लेकिन शिक्षकों की मांग है कि किसी संस्था के इस चंदन नामक कर्मी के कारनामों की गहन जाँच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि शिक्षण का माहौल भयमुक्त हो सके।

# आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल में डांडिया का आयोजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**बिल्हौर (कानपुर)। आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल में मंगलवार को नवरात्रि के अवसर पर रास-ए-रंगीलो डांडिया रास धूमधाम से मनाया गया। रंग-बिरंगी छड़ियों के साथ वर्तमान छात्रों और पूर्व छात्रों ने तथा टीचर्स ने जमकर डांडिया किया। कार्यक्रम में स्कूल की डायरेक्टर आरती कटियार व प्रिंसिपल लकी जैन मौजूद रहीं। पूर्व छात्र भूमिका गुप्ता, समर्पित गुप्ता, आरची व मधुर बाजपेयी ने भी शिरकत की।**

त्योहार जैसे माहौल में संगीत, नृत्य और स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ सभी ने नवरात्रि का उत्सव यादगार बनाया। इस दौरान स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

# बिल्हौर में आकाशीय बिजली से किसान की दर्दनाक मौत

## पत्नी और पांच बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल, गांव में मातम का माहौल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**बिल्हौर (कानपुर)। मंगलवार को आई तेज हवाओं और बरसात ने जहाँ लोगों को राहत भी दी, वहीं कुछ परिवारों के लिए यह आफत बनकर टूटी। बिल्हौर तहसील के पलिया बुजुर्ग गांव में आकाशीय बिजली गिरने से किसान सरोज यादव (35) की मौत हो गई। खेत में धान की फसल का जायजा लेने गए सरोज पर अचानक कड़कड़ाहट के साथ गिरी बिजली जानलेवा साबित हुई। खेत में मौजूद ग्रामीणों ने जब उन्हें गिरते देखा तो आनन-फानन में पास पहुँचे, तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं।**

शोकग्रस्त परिजनों को ढांढस बंधाते नायब तहसीलदार।

हादसे की खबर जैसे ही गाँव पहुँची, पूरे इलाके में मातम पसर गया। घर में पत्नी पुष्पा का रो-रोकर बुरा हाल है। पाँच छोटी-छोटी बेटियाँ बेसुध होकर बार-बार पिता को पुकार रही हैं। पूरे परिवार का भविष्य अचानक अंधकारमय हो गया है। पड़ोसी महिलाएँ परिवार को संभालने की कोशिश कर रही हैं लेकिन हर ओर सिर्फ सन्नाटा और आंसुओं का मंजर दिखाई दे रहा है।

घटना की जानकारी पर नायब तहसीलदार चंद्र प्रकाश राजपूत और पुलिस मौके पर पहुँची। अधिकारियों ने परिजनों को ढांढस बंधाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रशासन ने कहा है कि पीड़ित परिवार को दैवीय आपदा मद से आर्थिक सहायता दिलाई जाएगी। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि इस बरसात में बिजली गिरने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। किसान सरोज की मौत ने सभी को हिला दिया है। लोग खेतों में काम करने को लेकर सहमे हुए हैं। ग्रामीणों की मांग है कि सरकार बिजली गिरने जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति जागरूकता अभियान चलाए और समय से चेतावनी देने की व्यवस्था मजबूत करे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

इस दर्दनाक हादसे ने न केवल एक परिवार की खुशियाँ छीन लीं, बल्कि पूरे गांव को गहरे गम में डुबो दिया।

## सम्पादकीय

# बिश्नोई गैंग पर कार्रवाई

भारत और विदेशों में भय और असुरक्षा का माहौल बनाने वाले बिश्नोई गिरोह को कनाडा द्वारा आतंकवादी संगठन की सूची में डालने के कारण समझना कठिन नहीं है। यह कदम इस अंतर्राष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट के बारे में भारत की चिंताओं को सही साबित करने वाला ही है। वहीं दूसरी ओर यह गैंगस्टर व आतंकवादी गठजोड़ पर कार्रवाई करने का एक स्वागत योग्य प्रयास भी है। जिसने दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सतर्क भी किया है। दरअसल, यह गिरोह लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में भय व आतंक का पर्याय बना हुआ है। जिसने अनेक हाई-प्रोफाइल अपराधों को समय-समय पर अंजाम दिया है। यह विडंबना है और तंत्र की विफलता भी है कि गैंग का मुखिया पिछले एक दशक से अधिक समय से जेल में बंद है, इसके बावजूद गंभीर अपराधों की योजना बनाता रहा है। बिश्नोई गिरोह पर हाल के वर्षों में कई हाई-प्रोफाइल हत्याओं को अंजाम देने का आरोप है। इन हाई-प्रोफाइल हत्याओं में प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला, करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दिकी भी शामिल हैं। अपराधियों के गठबंधन ने बार-बार बॉलीवुड स्टार सलमान खान को हत्या की धमकी दी है। इस सिंडिकेट ने सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर भी हमले करवाए हैं। इसी तरह कनाडा में पंजाबी कलाकार ए.पी. ढिल्लों और गिप्पी ग्रेवाल के घरों के बाहर गोलाबारी में भी इस गिरोह की भूमिका बतायी गई है। दरअसल, भारत सरकार व कनाडा सरकार ने इस आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई के लिये इसलिए भी सहयोग बढ़ाया है क्योंकि बिश्नोई गिरोह पर कनाडा में सक्रिय गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के साथ मिलकर जबरन वसूली का कारोबार चलाने का आरोप बराबर लगता रहा है। बताया जाता है कि गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के खालिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से करीबी संबंध रहे हैं। जो दोनों देशों की कानून व्यवस्था के लिये एक बड़ी चुनौती बना रहा है।हाल के दिनों में खबरें आती रही हैं कि बिश्नोई गैंग अपने भीतरी टकराव से जूझ रहा है। गिरोह में लगातार जारी आपसी झड़पों और विश्वासघात की निरंतर बढ़ती घटनाओं ने बिश्नोई गैंग को भीतर से भी कमजोर कर दिया है। इस स्थिति को भारत तथा कनाडा की सरकारों की कानूनी प्रवर्तन एजेंसियों ने इन कुख्यात अपराधियों पर चारों ओर से शिकंजा कसने के अवसर के रूप में देखा है। दरअसल, कनाडा सरकार के द्वारा बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन की सूची में शामिल करने के बाद अधिकारियों को उसके खिलाफ सख्त सरल शब्दों में कहें तो आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद कनाडाई अधिकारियों को बिश्नोई गिरोह की संपत्ति, वाहन और धन जब्त करने का अधिकार मिल जाएगा। इसमें वित्त पोषण से संबंधित मामलों में की जाने वाली कार्रवाई भी शामिल है। जिसके जरिये भारत में अपराध व हिंसा फैलाने की साजिश रची जाती रही है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सार्वजनिक सुरक्षा कनाडा सरकार की प्राथमिकता रही है। जो यह भी दर्शाता है कि कनाडा सरकार ने अपने नागरिकों के लिए कुख्यात गैंगस्टरों, आतंकवादियों और अलगाववादियों द्वारा उत्पन्न गंभीर खतरे को पहचाना है।

# हार-जीत के फेर में खेल भावना भी जीते

डा0 बलवंत सिंह

**खेल भावना का तकाज़ा है कि खेल को सिर्फ खेल के रूप में स्वीकार किया जाए। यह भी ज़रूरी है कि जीतने वाले को हारने वाले से कहीं अधिक विनम्र बने रहने की आवश्यकता होती है।**

**भारत एक बार फिर एशिया में क्रिकेट का बादशाह बन गया है। दुबई में खेले गए एशिया कप के मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर प्रमाणित की है। हमारे खिलाड़ियों ने जिस तरह अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है, उसकी प्रशंसा होनी ही चाहिए। लेकिन चर्चा में सिर्फ क्रिकेटर नहीं हैं, सच तो यह है कि चर्चा क्रिकेट की नहीं, भारत और पाकिस्तान के रिश्तों की ज्यादा हो रही है।**

जिस तरह पूरे टूर्नामेंट के दौरान हमारे खिलाड़ियों ने पाकिस्तान की टीम से हाथ नहीं मिलाया और फिर जिस तरह फाइनल मुकाबले में जीत के बाद हमने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष के हाथों ट्रॉफी ग्रहण न करने का निर्णय लिया, वह दोनों देशों में ही नहीं, पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है। क्रिकेट के इतिहास में शायद ही पहले कभी ऐसा हुआ हो कि विजेता टीम ने हारी हुई टीम के देश के राजनेता के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया हो, और वह राजनेता ट्रॉफी और खिलाड़ियों के पदक उठाकर चलता बना हो!

आज नहीं तो कल वह ट्रॉफी तो भारत को मिल ही जाएगी—और यदि नहीं भी मिलती है तो इससे भारत की विजय का तथ्य और महत्व किसी भी तरह से कम नहीं होता। पाकिस्तान की इस हरकत पर हैरानी भी होती है और हंसी भी आती है। बहरहाल, इस प्रकरण पर देश में चर्चा होना स्वाभाविक है और चर्चा हो भी रही है। जहां एक ओर भारतीय खिलाड़ियों के दमखम की प्रशंसा हो रही है, वहीं दूसरी ओर देश में एक तबका ऐसा भी है जो मानता है कि भारतीय टीम को पाकिस्तान के साथ क्रिकेट के मुकाबले में उतरना ही नहीं चाहिए था।

पहलगाम में पाकिस्तान के इशारे पर—या कहना चाहिए, पाकिस्तान द्वारा— जो कुछ हुआ, दुनिया में कोई भी विवेकशील व्यक्ति उसका समर्थन नहीं कर सकता। जिस तरह धर्म पूछ-पूछकर आतंकवादियों ने पहलगाम में पर्यटकों पर गोलियां चलाईं, उसे नृशंसता का निकृष्टतम उदाहरण ही कहा जा सकता है। हमने अपने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से पाकिस्तान और सारी दुनिया को यह बता दिया कि मनुष्यता के प्रति इस तरह के अपराध को कोई भी सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता। हमने यह कहना भी ज़रूरी समझा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है, सिर्फ स्थगित किया गया है।दुबई में हमारे खिलाड़ियों ने जिस तरह का कदम उठाया है, उसे 'ऑपरेशन सिंदूर' की ही एक कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। हाथ न मिलाने या पाकिस्तानी मंत्री के हाथों ट्रॉफी न लेने का यह निर्णय सिर्फ खिलाड़ियों का नहीं हो सकता; भारतीय क्रिकेट अधिकारियों और भारत सरकार की सहमति से ही यह कार्रवाई की गई होगी।आतंकवाद के संदर्भ में पाकिस्तान की भूमिका को देखते हुए यह सही भी लगता है कि उसे हर कदम पर यह अहसास दिलाया जाए कि वह ग़लत कर रहा है। लेकिन सवाल यह भी उठता है कि पाकिस्तान से हाथ न मिलाकर अथवा ट्रॉफी स्वीकार न करने से बेहतर यह नहीं होता कि हम पाकिस्तान के साथ खेलने से ही इनकार कर देते? यह सही है कि ऐसी स्थिति में हमें एशिया कप के मुकाबले से बाहर भी होना पड़ सकता था, परंतु अपना विरोध और गुस्सा प्रकट करने का वह अधिक कारगर उपाय होता। ऐसा सोचने वालों का कहना है कि आधे-अधूरे विरोध से बेहतर होता कि विरोध पूरा होता।यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देश में एक तबका ऐसा भी है जिसने भारत-पाक क्रिकेट मैच को टी.वी. पर न देखने का आह्वान किया था। इस तबके का मानना है कि यदि विरोध होना है, तो वह पूरी दृढ़ता से होना चाहिए।बहरहाल, ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान की अमानुषिक हरकतों को अनदेखा किया जाए। पाकिस्तान को यह अहसास कराया जाना ज़रूरी है ।

# आईटी पेशेवरों के लिए चुनौतियों में नए अवसर

## एच-1बी वीज़ा फीस वृद्धि

ज्वाला सिंह दास

**जब योग्य इंजीनियर भारत में ही रहेंगे, तो वे नई कंपनियां शुरू करने और नवाचार करने में योगदान देंगे। रिसर्च और इनोवेशन में वृद्धि होगी।अमेरिका हमेशा से भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। विशेषकर 1990 के दशक के बाद, जब सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने भारत में तेजी से विकास करना शुरू किया, तब से लाखों भारतीय इंजीनियर, प्रोग्रामर और सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ एच-1बी वीज़ा के माध्यम से अमेरिका जाकर काम करते रहे हैं। अमेरिकी कंपनियां भारतीय आईटी टैलेंट को इसलिए पसंद करती थीं क्योंकि वे योग्य, मेहनती और अपेक्षाकृत सस्ते संसाधन उपलब्ध कराते थे। इसी कारण भारतीय आईटी उद्योग की कमाई का बड़ा हिस्सा लंबे समय तक अमेरिकी बाजार पर निर्भर रहा।**

लेकिन यदि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एच-1बी वीज़ा की फीस को बढ़ाकर 1 लाख डॉलर कर देते हैं, तो इसका असर सीधा-सीधा भारतीय आईटी उद्योग और पेशेवरों पर देखने को मिलेगा। एच-1बी वीज़ा वह माध्यम है जिसके ज़रिये अमेरिका हर साल हजारों विदेशी तकनीकी विशेषज्ञों को नौकरी के लिए अनुमति देता है। इनमें सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की होती है। भारतीय कंपनियां जैसे इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, एचसीएल आदि हर साल हजारों कर्मचारियों को इसी वीज़ा के जरिए अमेरिका भेजती रही हैं। इसकी फीस अचानक 1 लाख डॉलर करने से यह लागत कंपनियों और कर्मचारियों दोनों के लिए असहनीय हो जाएगी। भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी प्रोजेक्ट्स पर काम करने का खर्च बहुत बढ़ जाएगा और वे उतनी आसानी से भारतीय कर्मचारियों को अमेरिका भेज नहीं पाएंगी।लागत में वृद्धि के कारण अमेरिकी क्लाइंट्स को सेवा देने पर भारतीय कंपनियों का मुनाफ़ा कम हो जाएगा, जिससे उनके कॉन्ट्रैक्ट्स की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता प्रभावित होगी। स्थानीय नियुक्तियों में वृद्धि के परिणामस्वरूप भारतीय कंपनियों को मजबूरन अमेरिका में स्थानीय लोगों को नौकरी देनी पड़ेगी, जिससे भारत से बाहर जाने वाले अवसर कम होंगे। इन परिस्थितियों में व्यवसाय मॉडल में बदलाव आएगा— ऑफशोरिंग और रिमोट वर्किंग को

और बढ़ावा मिलेगा और कंपनियां अमेरिका के क्लाइंट्स का काम भारत से ही संभालने की दिशा में आगे बढ़ेंगी। परिणामत: अमेरिका जाकर करियर बनाने का लाखों भारतीय इंजीनियरों का सपना कठिन हो जाएगा क्योंकि बढ़ी हुई फीस ने उसकी संभावना घटा दी है। जब बाहर जाना संभव न हो, तब भारतीय प्रतिभा अपनी तलाश भारत के भीतर करेगी; इससे घरेलू स्टार्टअप्स, आईटी कंपनियों और रिसर्च संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन उपलब्ध होगा।लंबे समय से चल रहे ब्रेन-ड्रेन में भी कमी आएगी — बाहर प्रतिभाशाली युवाओं का पलायन घटने से भारत को अपने ही लोगों की सेवाएं मिलेंगी। यह बदलाव धीरे-धीरे ब्रेन-ड्रेन से ब्रेन-गेन की ओर ले जा सकता है। भारत जैसे विकासशील देश की एक बड़ी समस्या यह रही कि उसने अपने युवाओं को उच्च शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण देकर तैयार तो किया, पर वे विदेश जाकर अपनी सेवाएं देने लगे; अब यदि यह प्रवृत्ति उलटती है तो देश को वह लाभ मिलने लगेगा जो पहले नहीं मिल पाया था।इससे स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूती मिलेगी। जब योग्य इंजीनियर भारत में ही रहेंगे, तो वे नई कंपनियां शुरू करने और नवाचार करने में योगदान देंगे। रिसर्च और इनोवेशन में वृद्धि होगी। प्रतिभाशाली दिमाग यहां रहेंगे तो नए-नए शोध और तकनीकी आविष्कार होंगे।दुनिया भर की कंपनियां पहले अमेरिका पर निर्भर थीं। अब वे भारत में ही अपनी यूनिट्स और डेवलपमेंट सेंटर्स स्थापित करने को प्रेरित होंगी। आईटी हब के रूप में भारत की पहचान बनेगी। यदि आईटी उद्योग का विस्तार भारत में ही होगा, तो लाखों युवाओं को रोजगार यहीं उपलब्ध होगा। निवेशक कंपनियां जानेंगी कि भारत में टैलेंट उपलब्ध है और अमेरिका जाना मुश्किल है, इसलिए वे सीधे भारत में निवेश करना शुरू करेंगी।हालांकि इससे भारत को अनेक फायदे होंगे, लेकिन कुछ चुनौतियां भी सामने आएंगी। भारतीय कंपनियों को अल्पकाल में नुकसान उठाना पड़ेगा। अमेरिका से मिलने वाला राजस्व घट सकता है। प्रतिस्पर्धा के कारण घरेलू कंपनियों पर दबाव बढ़ेगा। भारत को अपनी आधारभूत संरचना, अनुसंधान और नवाचार के लिए माहौल मजबूत करना होगा, ताकि टैलेंट का सही उपयोग हो सके।अल्पकाल में भले ही आईटी कंपनियों को कठिनाई हो, लेकिन दीर्घकाल में यह भारत के लिए वरदान साबित हो सकता है। अब तक जो टैलेंट विदेश जाकर काम करता था, वही भारत के डिजिटल परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और नई तकनीकों के विकास में योगदान देगा। अगर भारत का युवा वर्ग यहीं रहकर काम करता है, तो भारत न केवल आईटी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर नेतृत्व की भूमिका भी निभा सकेगा।ट्रंप द्वारा एच-1बी वीज़ा फीस को 1 लाख डॉलर करने का कदम अल्पकाल में भारतीय आईटी उद्योग के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। लेकिन इसका एक सकारात्मक पहलू भी है - भारतीय टैलेंट भारत में ही रुकेगा, जिससे ब्रेन ड्रेन कम होगा और देश को अपने ही युवाओं की क्षमता का लाभ मिलेगा। अपनी नीतियों और इंफ्रास्ट्रक्चर को सही दिशा में आगे बढ़ाए, तो आने वाले वर्षों में यही कदम भारत की डिजिटल शक्ति को नई ??ऊंचाई तक पहुंचा सकता है।

# 34 माह बाद जेल से बाहर आए इरफान

**» विधायक पत्नी नसीम सोलंकी, बेटे और मां खुर्शिदा बेगम लेने पहुंची महराजगंज जेल**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**कानपुर। दो दिसंबर 2022 से जेल में बंद सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी को मंगलवार 34 माह बाद महराजगंज जेल से रिहाई मिली। जेल से बाहर आते ही इरफान ने कहा कि न्याय की जीत हुई। मुझे अल्लाह पर भरोसा था, है और रहेगा। पत्नी व बच्चों को गले लगाया, वहीं जेल के बाहर मौजूद समर्थकों को शुक्रिया कहा। इलाहाबाद हाईकोर्ट से चार दिन पहले इरफान को गैंगस्टर मामले में जमानत के बाद मंगलवार को वह बाहर आए। इरफान को लेने उनकी विधायक पत्नी नसीम सोलंकी, दोनों बेटे और मां खुर्शिदा बेगम महराजगंज जेल पहुंची थीं। जेल के बाहर इरफान के समर्थक भी उनके बाहर निकलने का इंतजार करते रहे। पति को बाहर लाने के लिए नसीम अंदर जाने लगी तो सुरक्षाकर्मियों ने उनके बेटों को बाहर ही रोक लिया। अकेले विधायक ही अंदर गईं। पति से मुलाकात के बाद बाहर आकर नसीम ने कहा कि जल्द ही रिहाई हो जाएगी।**

इसके बाद उन्होंने जेल गेट के बाहर खड़े समर्थकों से कहा, कुछ दूर होकर खड़े हो। कुछ देर बाद इरफान के कपड़े और जरूरी सामान को जेल के अंदर भेजा गया। इरफान जेल से बाहर आते ही पत्नी व बच्चों से गले मिले। इसके बाद समर्थकों को शुक्रिया कहा। बोले न्याय की जीत हुई। कार के गेट पर फिर सनरूफ पर खड़े होकर हाथ हिलाकर समर्थकों का धन्यवाद किया।

### ईडी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से की पूछताछ

मंगलवार को ही सुबह 10 बजे इरफान का परवाना जेल पहुंचा। वहीं जेल से बाहर आने से पहले मनी लॉर्डिंग से जुड़े मामले में इरफान सोलंकी से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पूछताछ की है। इसी कारण रिहाई में देरी हुई। इरफान के जेल से निकलने से पहले ही सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। गेट के पास पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया।

### परवाना कानपुर आने से तीन दिन टली रिहाई

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में इरफान को चार दिन पहले जमानत दी थी। यह आखिरी मामला था, जिसमें जमानत के बाद रिहाई मिलनी थी। जमानत के बाद अगले दिन रिहाई हो जाती, लेकिन परवाना कानपुर जेल पहुंच गया। इसलिए एक दिन उनके भाई रिजवान बाहर आ गए। दूसरे दिन परवाना महराजगंज जेल पहुंचा, जब जाकर इरफान को रिहाई मिली।

### आगजनी मामले में कोर्ट ने सुनाई सात साल कैद

जाजमऊ की डिफेंस कालोनी निवासी इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान समेत अन्य पर पड़ोसी नजीर फातिमा के प्लॉट में बने अस्थायी घर फूंकने का आरोप लगा। नजीर फातिमा ने आठ नवंबर 2022 को जाजमऊ थाने में इरफान, रिजवान समेत अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।आरोप लगाया कि सात नवंबर 2022 को उनके परिजन शादी समारोह में थे, तभी इरफान सोलंकी, रिजवान सोलंकी और उनके साथियों ने आग लगाई। वह लोग घर छोड़कर भाग जाए, इस साजिश के तहत यह घटना की गई। प्लॉट पर विधायक परिवार कब्जा करना चाहता था।

आग से गृहस्थी, फ्रिज, टीवी, सिलेंडर और बाकी सामान जल गया था। जांच के बाद शौकत, शरीफ और इसराइल आटावाला, अनूप यादव, महबूब आलम, शमशुद्दीन, एजाजुद्दीन, मो.एजाज, मुर्सलीन भोलू, शकील चिकना का भी नाम मुकदमे में शामिल हुआ।

इरफान सोलंकी 7 जून 2024 को कानपुर एपी-एमएलए कोर्ट ने जाजमऊ में आगजनी मामल में सात साल की सजा सुनाई व 30 हजार 500 जुर्माना लगाया गया था। इरफान के भाई रिजवान और उसके साथियों इसराइल आटा वाला, मो. शरीफ और शौकत अली को भी उतनी ही सजा सुनाई गई थी।

### गैंगस्टर एक्ट में हुई कार्यवाही

26 दिसंबर 2022 को तत्कालीन इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे ने इरफान, उनके भाई रिजवान, इसराइल आटा वाला, मो. शरीफ, शौकत पहलवान, एजाज उर्फ अज्जन, मुरसलीन भोलू के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज कराया। जिसमें इरफान सोलंकी को गैंग सरगना बताया गया।

गैंगस्टर मामले में इरफान, रिजवान, शौकत पहलवान और एजाज ने एडीजे-आठ विनय कुमार गुप्ता की कोर्ट में डिस्चार्ज याचिका दाखिल की। 31 अगस्त 2025 को कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए आरोपियों की याचिका खारिज की। आरोप तय के करने के लिए 10 सितंबर की तारीख तय की थी।

10 सितंबर 2025 को एडीजे-आठ कोर्ट में आरोपी तलब किए गए। इरफान सोलंकी बीमार के कारण कोर्ट में पेश नहीं हो पाए। कोर्ट में इरफान की ओर से याचिका दी गई कि उन्हें इलाज के लिए गोरखपुर अस्पताल जाना था।17 सितंबर को कानपुर कोर्ट में फिर सुनवाई हुई। कोर्ट ने आरोप तय कर दिए। पेशी पर आए इरफान ने कहा, मुझे कोर्ट पर भरोसा है, इंसाफ मिलेगा।

### गैंगस्टर के बाद 30 करोड़ की संपत्ति हुई जब्त

इरफान सोलंकी पर गैंगस्टर की कार्रवाई के बाद उनकी व उनके गैंग की करीब 30 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त हुई। इरफान के पांच ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा।

### आर्यनगर व सीसामऊ से 17 साल रहे विधायक

इरफान सोलंकी का राजनीति विरासत में मिली। पहली बार 2007 में आर्यनगर सीट से सपा से विधायक बने। इसके बाद 2012 में और 2017 में सीसामऊ विधानसभा से जीत दर्ज कराई। यह दोनों चुनाव भी सपा के टिकट पर लड़े। 2022 में सीसामऊ सीट से जीते। विधायकी जाने पर इसी सीट पर हुए उपचुनाव में उनकी पत्नी नसीम सोलंकी ने सपा के टिकट पर चुनाव जीता।

# बारिश से लीला मैदान पर हुआ जलभराव, प्रभु राम ने जताया विरोध

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बाबूपुरवा स्थित नया सेंट्रल पार्क में श्री आदर्श रामलीला कमेटी की ओर से 22 सितंबर से रामलीला का मंचन किया जा रहा है। आयोजन से पहले वार्ड 100 के जनप्रतिनिधि, विधायकों व नगर आयुक्त तक समस्याएं बताकर निस्तारण की मांग की गई पर इसमें सिर्फ खानापूर्ति हुई।मंगलवार को हुई बारिश के बाद मंच का टीन शेड टूटा होने से पानी आ गया। निकासी की व्यवस्था नहीं होने से मैदान में जलभराव हुआ। इस पर रामलीला में प्रभु श्रीराम का किरदार निभाने वाले बिल्हौर से आए रामजानकी मंडल के अध्यक्ष आशीष वाजपेयी, लक्ष्मण बने सोनू, हरेराम सिंह, धर्मेंद्र चौधरी, प्रखर श्रीवास्तव, विकास मिश्रा, अनुराग शुक्ला, आकाश मिश्रा, दीपांशु सिंह, देवराज जोशी आदि ने विरोध-प्रदर्शन किया।यहां मंगलवार की लीला स्थगित करने का निर्णय लिया गया। वहीं अर्मापुर इस्टेट में श्री श्री रामलीला समिति ने भी बारिश को देखते हुए रामलीला मंचन स्थगित कर दिया।

# चित्रकूट: चारपाई पर लादकर ले जाना पड़ा मरीज

» गांव तक नहीं पहुंची एम्बुलेंस

» कच्चे रास्ते और कीचड़ ने बढ़ाई ग्रामीणों की मुश्किलें, आज़ादी के बाद भी सड़क से वंचित गांव

» स्वराज इंडिया संवाददाता

**चित्रकूट। जिले के पहाड़ी थाना क्षेत्र के लोखरिहा पुरवा गांव में बुनियादी सुविधाओं की कमी एक बार फिर सामने आई है। कच्ची सड़क और कीचड़ से भरे रास्तों के कारण सोमवार को ग्रामीणों को एक बीमार व्यक्ति को चारपाई पर लादकर करीब एक किलोमीटर दूर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ा, ताकि वहां से उसे एम्बुलेंस द्वारा अस्पताल पहुंचाया जा सके।**

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें ग्रामीण चारपाई पर मरीज को उठाकर कीचड़ भरे रास्ते से गुजरते नजर आ रहे हैं। इस दौरान कई बार फिसलने और संतुलन बिगड़ने की नौबत भी आई। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई नई बात नहीं है — हर बार किसी मरीज या गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाना उनके लिए एक जंग जैसा होता है।

**एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाई गांव तक**

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पक्की सड़क न होने और रास्ते में दलदल जैसे हालात होने के कारण एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाई। मजबूरी में उन्हें चारपाई पर मरीज को उठाकर करीब एक किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। इसके बाद मुख्य सड़क पर एम्बुलेंस तक पहुंचकर मरीज को अस्पताल भेजा गया।

**समय पर इलाज न मिलने से कई लोगों की जान जा चुकी है**

ग्रामीणों ने बताया कि पहले भी कई मरीजों की जान केवल इसलिए चली गई, क्योंकि वे समय पर अस्पताल नहीं पहुंच सके। बारिश के मौसम में हालात और भी बदतर हो जाते हैं। सड़कें दलदल में बदल जाती हैं और गांव पूरी तरह से कट जाता है।

**जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों पर उपेक्षा का आरोप**

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से सड़क निर्माण की मांग की, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। आज़ादी के 75 साल बाद भी हम कीचड़ और गड्ढों में जिंदगी काटने को मजबूर हैं, ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा।

**महिलाओं और बुजुर्गों के लिए सबसे बड़ी समस्या**

ग्रामीण बताते हैं कि गर्भवती महिलाओं और बुजुर्ग मरीजों के लिए यह स्थिति सबसे अधिक खतरनाक है। उन्हें ले जाना मुश्किल हो जाता है, और बरसात में तो यह रास्ता जानलेवा साबित होता है।

यह घटना न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि ग्रामीण इलाकों में आज भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव कितना गहरा है।

स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सड़क निर्माण नहीं हुआ तो वे धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। ßसरकार गांव-गांव सड़क पहुंचाने की बात करती है, लेकिन हमारा गांव आज भी अंधेरे में है। ग्रामीण, लोखरिहा पुरवा

फिलहाल मरीज का इलाज अस्पताल में चल रहा है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या विकास की रोशनी अब तक इन गांवों तक पहुंची ही नहीं है?

# झांसी जेल पहुंचा अतीक का बेटा अली

## बोला- परेशान करने के लिए बदली गई जेल, रास्ते में पीने को नहीं दिया पानी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**झांसी। अली ने बताया कि नैनी सेंट्रल जेल में वह पूरे नियम कायदे के साथ रह रहा था। लेकिन परेशान करने के मकसद से उसे प्रयागराज से दूर झांसी भेजा गया। रास्ते भर में उसे पीने के लिए पानी तक नहीं दिया गया। कुख्यात माफिया अतीक अहमद का बेटा अली अहमद बुधवार दोपहर भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच झांसी जेल शिफ्ट कर दिया गया।**

झांसी जेल पहुंचने पर मीडिया कर्मियों से बात करते हुए अली अहमद ने आरोप लगाया कि सरकार ने परेशान करने के लिए जानबूझकर उसकी जेल बदली है। अली ने बताया कि नैनी सेंट्रल जेल में वह पूरे नियम कायदे के साथ रह रहा था। लेकिन परेशान करने के मकसद से उसे प्रयागराज से दूर झांसी भेजा गया। रास्ते भर में उसे पीने के लिए पानी तक नहीं दिया गया। नैनी सेंट्रल जेल में अधिवक्ताओं के सिवाय उससे कोई भी मिलने नहीं आता था। बुधवार दोपहर करीब 2-35 बजे पुलिस जीप में अली अहमद झांसी जेल पहुंचा। यहां मीडिया कर्मियों का भारी जमावड़ा था। किसी तरह पुलिसकर्मी जेल का गेट खोलकर उसे भीतर ले गए। जेल के भीतर पहले उसकी आमद कराई गई। इसके बाद तलाशी लेकर भीतरी सेल में ले जाया गया। अभी उसे तन्हा बैरक में रखा जाएगा। वरिष्ठ जेल अधीक्षक विनोद कुमार के मुताबिक जेल नियमों के तहत ही उसे सेल के अंदर रखा जाएगा।

# कानपुर देहात : बेखौफ गैंगस्टर की नई चाल गवाहों पर फर्जी मुकदमे

» प्रमुख सचिव से शिकायत के बाद जांच तेज, ग्रामीणों का सामूहिक विरोध

» जमीन कब्जा, हत्या और लूट के मामलों में आरोपी सपा नेता सुरेश फौजी फिर सुर्खियों में

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

**कानपुर देहात। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति के बावजूद जिले का कुख्यात टॉप टेन गैंगस्टर और सपा नेता सुरेश यादव उर्फ फौजी एक बार फिर सुर्खियों में है। जमीन कब्जा, मर्डर और लूट जैसे संगीन मामलों में कई बार जेल जा चुका सुरेश वर्तमान में हाईकोर्ट से जमानत पर बाहर है। अब उसने गवाहों को डराने के लिए फर्जी मुकदमे दर्ज कराने का नया हथकंडा अपनाया है।**

डेरापुर थाना क्षेत्र के बिहारी गांव निवासी सत्यम और महान पर एससी-एसटी और छेड़छाड़ जैसे गंभीर आरोपों में मुकदमे दर्ज कराए गए हैं। दरअसल, सत्यम के पिता एक पुराने केस में सुरेश फौजी के खिलाफ सरकारी गवाह हैं। आरोप है कि गवाही दबाने और गरीब परिवारों को डराने के लिए फौजी अपने गुर्गों से झूठे मुकदमे लिखवा रहा है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया है।करीब दो दर्जन ग्रामीण पुलिस अधिकारियों के पास पहुंचे और शपथ पत्र देकर आरोपी गैंगस्टर पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि फौजी लगातार गवाहों और गरीब परिवारों का उत्पीड़न कर रहा है। पीड़ितों ने जिला मुख्यालय से लेकर राजधानी तक न्याय की गुहार लगाई है।पुलिस अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया और अधीनस्थ अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि अपराध की दुनिया का खिलाड़ी कहे जाने वाले सुरेश फौजी पर आखिरकार प्रशासन कब निर्णायक शिकंजा कसता है।

## रजबहे की पटरी कटने से 300 बीघा खेत डूबे, धान की फसल पर संकट

» बारिश ने रोका मरम्मत का काम, दूसरे दिन विभाग ने पाटी खांदी

» खेतों के साथ गांवों में भी घुसा पानी, किसानों ने ली राहत की सांस

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर देहात। घाटमपुर रजबहे की पटरी कटने से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। दो दिन पहले मटियामऊ गांव के पास खांदी होने से करीब 300 बीघा खेत जलमग्न हो गए और धान की खड़ी फसल खराब होने के कगार पर पहुंच गई।

संतोष पुरवा, रामदीन पुरवा, उमरन, शिवनाथ पुरवा, रहीमपुर और गौरन बिलई समेत कई गांवों के खेतों और घरों में पानी घुस गया। हालात इतने बिगड़े कि पानी ने नेशनल हाईवे तक पहुंचकर लोगों को परेशान कर दिया।

मंगलवार को सिंचाई विभाग के जेई गोविंद कुमार जेसीबी मशीन लेकर मौके पर पहुंचे, लेकिन दिन भर की मूसलाधार बारिश ने मरम्मत का काम रुकवा दिया। बुधवार को विभाग के एई रामप्रकाश व जेई गोविंद कुमार फिर से मौके पर पहुंचे और जेसीबी व ट्रैक्टर की मदद से कटी हुई पटरी की मरम्मत कर दी।पटरी बंद होने के बाद किसानों ने राहत की सांस ली, हालांकि खेतों में डूब चुकी फसल को लेकर नुकसान का आकलन अभी बाकी है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर पटरी समय पर न बांधी जाती तो तबाही और भी बड़ी हो सकती थी।

## तालाब में डूबने से मासूम की मौत, गांव में पसरा मातम

» कन्या भोज से लौटते समय हुई दर्दनाक घटना

» परिजनों ने पोस्टमार्टम से किया इंकार, खेरेश्वर घाट पर अंतिम संस्कार

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर देहात। रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र के सुभाष नगर में मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत से गांव में मातम पसर गया। मंगलवार को दो वर्षीय पूर्वी अवस्थी का शव उसके फूफा के घर के पास स्थित तालाब से बरामद हुआ। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।जानकारी के मुताबिक, पूर्वी अपने फूफा सतीश कुमार के घर कन्या भोज में गई थी। भोज के बाद घर लौटते समय वह रास्ता भटक गई और तालाब की ओर निकल गई। इसी दौरान पैर फिसलने से वह तालाब में डूब गई और उसकी मौत हो गई। सुबह से परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन बच्ची का कोई सुराग नहीं मिला। अंततः तालाब से उसका शव बरामद हुआ।शव मिलने के बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम से इनकार कर दिया और शव को खेरेश्वर घाट, शिवराजपुर ले जाकर अंतिम संस्कार किया। घटना के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में गमगीन माहौल बना हुआ है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

# मलासा से कानपुर बस सेवा की गूंज तेज

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा से माती होते हुए कानपुर तक सीधी बस सेवा बंद होने से ग्रामीणों और छात्रों को रोज़ाना भारी दिक़्क़तों का सामना करना पड़ रहा है। परिवहन विभाग के अधिकारियों की लगातार उदासीनता से जनता में गहरा आक्रोश पनप रहा है।जिला मुख्यालय माती में विकास भवन, सीएमओ, बीएसए, पुलिस अधीक्षक और अन्य प्रमुख सरकारी कार्यालय होने से रोज़ाना हजारों लोगों को यहां आना-जाना पड़ता है। लेकिन मलासा से माती तक सीधा यातायात साधन न होने के कारण लोगों को ऑटो और डग्गामार वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। इससे न केवल समय बल्कि आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है।

पूर्व में मलासा से माती होते हुए कानपुर फजलगंज तक बस सेवा शुरू की गई थी, लेकिन विभाग ने घाटे का हवाला देकर इसे बंद कर दिया। तब से अब तक यह सेवा दोबारा शुरू नहीं हो सकी है। हालात यह हैं कि कई बार काम पूरा न हो पाने पर लोगों को जिला मुख्यालय में रात भी गुजारनी पड़ती है।गांव की युवा पीढ़ी और आम जनता ने एक बार फिर मांग उठाई है कि मलासा से माती होते हुए कानपुर तक सीधी बस सेवा चालू की जाए, ताकि हजारों यात्रियों की रोज़ाना की मुश्किलें कम हो सकें।

## » छात्रों-ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी, विभाग की चुप्पी पर आक्रोश

## » जिला मुख्यालय तक पहुंचने में रोज़ाना उठानी पड़ती है मशक्कत

मलासा गांव के आगामी प्रधान रविन्द्र सिंह उर्फ रवि ने कहा कि मलासा से सीधी बस सेवा न होने के कारण क्षेत्रीय लोग मजबूरी में डग्गामार वाहनों का सहारा लेते हैं। प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन होता है, लेकिन परिवहन विभाग की उदासीनता से जनता परेशान है। सरकार जनता के हित में काम कर रही है, किंतु विभाग की लापरवाही से बस सेवा शुरू नहीं हो पा रही है। यदि मलासा से माती और फजलगंज के लिए सीधी बस सेवा संचालित की जाए तो न केवल लोगों की संसाधन संबंधी दिक्कतें दूर होंगी, बल्कि परिवहन विभाग को प्रतिदिन हजारों रुपए का राजस्व लाभ भी हो सकता है।

मलासा के श्याम सिंह ने कहा कि ब्लॉक मुख्यालय से माती तक सीधा साधन न होने के कारण यहां के लोगों के लिए जिला मुख्यालय तक पहुंचना मानो 'काला पानी' की सजा झेलने जैसा है। गांव के लोग सुबह जाकर शाम तक लौट नहीं पाते, जिससे उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में सीधी बस सेवा की सख्त जरूरत है। यदि बस सेवा शुरू की जाती है तो न केवल आम जनता को आवागमन में राहत मिलेगी बल्कि सरकारी राजस्व में भी वृद्धि होगी।

# रनियां में मिशन शक्ति 5.0 के तहत जागरूकता अभियान चलाया

## » महिला सुरक्षा, नशा मुक्ति और साइबर अपराध पर दी गई जानकारी

## » हेल्पलाइन नंबरों व महिला हेल्प डेस्क की भूमिका पर डाला गया जोर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल मिशन शक्ति 5.0 के तहत नवरात्रि के अवसर पर बुधवार को रनियां स्थित मां कनखिया देवी मंदिर परिसर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान महिलाओं और बच्चों पर होने वाले अपराधों की रोकथाम, झूठी एफआईआर दर्ज न करने, साइबर अपराधों से बचाव और नशे के दुष्परिणामों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में नशा मुक्ति और व्यक्तिगत सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही सुरक्षा और सहायता के लिए विभिन्न सरकारी हेल्पलाइन नंबर साझा किए गए जिनमें—1090 वुमन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपात सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा और 1930 साइबर हेल्पलाइन प्रमुख रहे। थानों में स्थापित महिला हेल्प डेस्क के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर इंस्पेक्टर रनियां शिवनारायण सिंह, इंस्पेक्टर रीना गौतम, महिला कांस्टेबल रसना देवी और श्रुति देवी सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

# आकाशीय बिजली से धराशायी हुआ पंडाल, बाल-बाल बचे श्रद्धालु

## » धर्मगढ़ बाबा की कृपा से टला बड़ा हादसा

## »समिति ने 24 घंटे में खड़ा किया नया टेंट, कथा संपन्न

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर देहात। रसूलाबाद स्थित श्री धर्मगढ़ बाबा मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान मंगलवार को तेज बारिश और आकाशीय बिजली गिरने से कथा स्थल पर लगा विशाल टेंट अचानक धराशायी हो गया।

टेंट के नीचे बैठे श्रद्धालु बाल-बाल बच गए, जिसे भक्तों ने बाबा की कृपा बताया।टेंट गिरने के बाद मौजूद लोगों ने तुरंत सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाला। किसी को चोट तक न लगने से सभी ने राहत की सांस ली।

सूचना पर पहुंचे एसडीएम सर्वेश सिंह ने लेखपाल व कानूनगो को नुकसान का आकलन कर नियमानुसार मुआवजा दिलाने के निर्देश दिए।इस बीच सत्संग मंडल कमेटी के सदस्यों ने पूरी रात मेहनत कर नया टेंट तैयार कराया। मात्र 24 घंटे में नया पांडाल लगने से कथा का आयोजन फिर से शुरू हो गया।

नवमी के दिन कथा का विधिवत आयोजन हुआ और विशाल प्रसादी का वितरण कर श्रद्धालुओं ने धर्मगढ़ बाबा की जयकारों के साथ कार्यक्रम संपन्न किया।

# विश्व प्रसिद्ध देवा मेला: परंपरा और आधुनिकता का संगम

## मेला एवं प्रदर्शनी इस वर्ष 8 से 17 अक्टूबर तक पूरे वैभव और गरिमा के साथ आयोजित होगा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**बाराबंकी। सूफी संत हाजी वारिस अली शाह के पिता सैय्यद कुर्बान अली शाह की स्मृति में आयोजित होने वाला विश्व प्रसिद्ध देवा मेला एवं प्रदर्शनी इस वर्ष 8 से 17 अक्टूबर तक पूरे वैभव और गरिमा के साथ आयोजित होगा।**

कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेसवार्ता के दौरान समिति के सचिव/एडीएम (वित एवं राजस्व) अरुण कुमार सिंह ने बताया कि इस बार मेला परंपरा और आधुनिकता का अनूठा संगम होगा। उद्घाटन परंपरा अनुसार 8 अक्टूबर को शाम 5 बजे जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की धर्मपत्नी शैलजा त्रिपाठी शेख मुहम्मद हसन गेट पर फीता काटकर करेंगी। समापन 17 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक की धर्मपत्नी संपदा विजयवर्गीय द्वारा इको-फ्रेंडली आतिशबाज़ी के साथ होगा।

श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, स्वच्छता, पार्किंग, स्वास्थ्य शिविर और अग्निशमन दल की विशेष व्यवस्था की गई है। समापन पर पर्यावरण अनुकूल आतिशबाज़ी कराई जाएगी।

देवा मेला 2025 इस बार भी न सिर्फ आस्था का केंद्र बनेगा बल्कि खेल, कला, संस्कृति और आधुनिक आयोजनों के संगम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग छाप छोड़ेगा।

### मेला के नए आकर्षण

इस बार मेले में पहली बार क्रिकेट टूर्नामेंट, बॉडी बिल्डिंग शो और महिला फैशन शो का आयोजन होगा। सांस्कृतिक मंच पर सूफी नाइट में मशहूर गायिका ज्योति नूरान, मेगा नाइट में इंडियन आइडल फेम सलमान अली, जबकि मानस भजन में प्रसिद्ध गायक किशोर चतुर्वेदी अपनी प्रस्तुतियां देंगे। म्यूजिक कॉन्फ्रेंस में कुलदीप चौहान, दिव्यांशी मौर्य, जुबेर हाशमी, जमाल खान और हास्य कलाकार राजन श्रीवास्तव रंग जमाएंगे।

### दिनवार प्रमुख कार्यक्रम

08 अक्टूबर-बिरहा, संगीत, नृत्य प्रस्तुतियां
09 अक्टूबर-हॉकी मुकाबले, बच्चों के कार्यक्रम, बॉडी बिल्डिंग शो
10 अक्टूबर-कव्वाली, सीरतुन्नबी, लोकनृत्य
11 अक्टूबर-हॉकी व बैडमिंटन, मानस भजन
12 अक्टूबर- कुश्ती, कबड्डी, क्रिकेट, लोकगीत, कथक, कवि सम्मेलन
13 अक्टूबर- वाद-विवाद, निबंध, मेहंदी, म्यूजिक कॉन्फ्रेंस
14 अक्टूबर- बेबी शो, चित्रकला, रंगोली, सूफी नाइट
15 अक्टूबर- भोजपुरी गायन व ऐतिहासिक मुशायरा
16 अक्टूबर-हॉकी/बैडमिंटन फाइनल, फैशन परेड, मेगा नाइट विद सलमान अली
17 अक्टूबर- पुरस्कार वितरण, स्मारिका विमोचन, लेजर शो, इको-फ्रेंडली आतिशबाज़ी

### मेले की सुरक्षा व्यवस्था रहेगी अभेद

एएसपी उत्तरी विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि मेले की सुरक्षा पांच स्तरीय होगी। पूरा क्षेत्र 5 जोन और 23 सेक्टर में बांटा गया है।
2000 से अधिक पुलिसकर्मी, महिला बल और पीआरवी गाड़ियां तैनात
150 सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन और कंट्रोल रूम से निगरानी
सिविल ड्रेस में विशेष पुलिस बल की तैनाती
स्वास्थ्य विभाग की टीमें और एम्बुलेंस 24 घंटे उपलब्ध

# मथुरापुर रोड पर मिले अधजले शव का खुलासा

## मां-भाई-भाभी निकले कातिल, पुलिस टीम को 25,000 इनाम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र के मथुरापुर रोड पर 23 सितंबर को अधजली अवस्था में मिले अज्ञात शव के मामले का पुलिस ने त्वरित खुलासा कर दिया है। प्रारंभिक जांच में शव की शिनाख्त के लिए फोटो, वीडियो और कपड़ों का विवरण मीडिया में प्रसारित किया गया था। इसके बाद ग्राम जलालपुर न्योरी (फतेहपुर) के प्रधान ने शव की पहचान की, जिसकी पुष्टि मृतक के पिता ने भी कर दी।जांच में चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई। पुलिस उपायुक्त पूर्वी, सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि मृतक की हत्या उसकी मां, भाई और भाभी ने मिलकर की थी। कारण था मृतक की शराब की लत और बड़े भाई की इंटर-कास्ट शादी का विरोध। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को चारपाई पर जलाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहने पर उसे ऑटो से घटनास्थल पर फेंक दिया।पूरे घटनाक्रम की पुष्टि सीसीटीवी फुटेज से भी हुई, जिसमें आरोपी स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। पुलिस ने 01 अक्टूबर को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय में पेश कर दिया है।

वहीं, डीएनए सैम्पल भी जांच हेतु भेजे गए हैं।

# दीपावली तोहफ़ा: यूपी के 8 लाख कर्मचारियों को मिलेगा बोनस

## » डीए बढ़ोतरी पर भी जल्द फैसला ले सकती है योगी आदित्यनाथ सरकार

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**लखनऊ। दीपावली से पहले योगी सरकार प्रदेश के कर्मचारियों को बड़ा तोहफ़ा देने की तैयारी कर रही है। केंद्र सरकार की घोषणा के बाद अब उत्तर प्रदेश सरकार भी करीब आठ लाख कर्मचारियों को बोनस देने जा रही है। वित्त विभाग पत्रावली तैयार कर रहा है और जल्द ही सरकार से सहमति लेकर आदेश जारी होंगे।**

सूत्रों के मुताबिक, अराजपत्रित राज्य कर्मचारी, दैनिक वेतनभोगी और वर्कचार्ज कर्मचारी इस बोनस का लाभ उठा सकेंगे। बोनस की अधिकतम राशि 7000 रुपये तक तय की जा सकती है, जबकि न्यूनतम राशि 3400 रुपये होगी। कर्मचारियों की श्रेणी के अनुसार यह रकम तय होगी। आदेश अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक जारी किए जाने की संभावना है।

### डीए बढ़ोतरी पर भी राहत की उम्मीद

केंद्र सरकार की तर्ज पर प्रदेश सरकार भी महंगाई भत्ता (डीए) और पेंशनरों के लिए महंगाई राहत (डीआर) में बढ़ोतरी का ऐलान कर सकती है। इस बार डीए में करीब 3 फीसदी बढ़ोतरी होने की उम्मीद जताई जा रही है। फिलहाल राज्य कर्मचारियों को 55 फीसदी डीए मिल रहा है, जो बढ़कर 58 फीसदी हो सकता है।अगर ऐसा हुआ तो यह कर्मचारियों और पेंशनरों दोनों के लिए त्योहारी सीजन का डबल तोहफ़ा साबित होगा।

अयोध्या

(स्वराज इंडिया फालोअप)

# धर्म और राजनीति के दबाव में पलटा खाद्य सुरक्षा विभाग!

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**अयोध्या। हनुमानगढ़ी के प्रसाद प्रकरण में खाद्य सुरक्षा विभाग की भूमिका अब शक के घेरे में है। शुरुआत में विभाग ने मीडिया को साफ बताया था कि लड्डू के सैंपल फेल हुए हैं। लेकिन जैसे ही यह मामला सुर्खियों में आया और धार्मिक भावनाएं भड़कने लगीं, विभाग ने पलटी मारते हुए कह दिया कि सिर्फ कलर ज्यादा पाया गया, और यह मामला तो बस जागरूकता अभियान से जुड़ा था, प्रसाद से कोई संबंध नहीं है।**

बता दें कि फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने मंदिर के बाहर प्रसाद की दुकानों से 31 सैंपल लिए थे। जांच रिपोर्ट आने पर 3 सैंपल फेल मिले हैं।

**सैंपल रिपोर्ट में सामने आया की**

देसी घी- घी में रेसिडिटी (बासीपन की मात्रा) अधिक पाई गई। बेसन पीलापन बढ़ाने के लिए कृत्रिम रंग मिलाया गया। लड्डू में कृत्रिम रंग मिलाए गए। दरअसल, हनुमानगढ़ी मंदिर के बाहर 250 से ज्यादा दुकानों पर लड्डू और पेड़ा बिकता है। यहीं से खरीदे जाने वाले लड्डू और पेड़ा का हनुमानगढ़ी में प्रसाद चढ़ाया जाता है

लेकिन सवाल उठता है कि अगर यह सिर्फ जागरूकता थी, तो पहले लड्डू के फेल होने की बाइट क्यों दी गई? क्या जनता को गुमराह करने की

**» जब प्रसाद का नमूना फेल हुआ तो अफसर पास कराने निकल पड़े**

**» अब सवाल है कि पहले लड्डू फेल फिर अफसरों की नैतिकता**

कोशिश हुई, या फिर हनुमानगढ़ी जैसे धार्मिक स्थल के नाम पर विभाग ने जानबूझकर पॉलिटिकल और धार्मिक दबाव में झुकने का काम किया? सूत्रों की मानें तो जैसे ही खबर बाहर आई, कई बड़े नेताओं और धार्मिक संगठनों की नाराज़गी सामने आई। विभाग पर दबाव बढ़ा कि हनुमानगढ़ी के प्रसाद को लेकर कोई नकारात्मक खबर न फैले।

नतीजा यह हुआ कि विभाग ने अपने ही बयान से यू-टर्न ले लिया।

अब असली सवाल यही है कि क्या फूड सेफ्टी विभाग जनता की सेहत की जगह सियासी दबाव को ज्यादा महत्व दे रहा है? क्या धार्मिक भावनाओं की आड़ में मिलावटखोरी पर पर्दा डाला जा रहा है? अयोध्या जैसे शहर में, जहां आस्था और राजनीति दोनों सिर चढ़कर बोलती हैं, वहां इस तरह का बैकफुट लेना और पलटबाज़ी करना जनता की सेहत और विश्वास दोनों से खिलवाड़ है। यह खबर अब केवल खाद्य सुरक्षा विभाग की लापरवाही नहीं, बल्कि धर्म, राजनीति और प्रशासन की मिलीभगत पर भी बड़ा सवालिया निशान खड़ा करती है।

स्वराज इंडिया अयोध्या 11
अयोध्या (आस्था पर मिलावट का वार)
हनुमानगढ़ी के प्रसाद वाले लड्डू का सेंपल फेल

स्वराज इंडिया में प्रकाशित खबर

**पेट में अल्सर से लेकर लीवर पर असर: चिकित्सक**

अयोध्या में श्रीराम अस्पताल के सीनियर डॉक्टर डॉ. अनुपम मिश्र बताते हैं- खाने के आइटम में अगर रंगों को मिलाया जाता है, तो अलग-अलग ऐज ग्रुप के लोगों पर इसका अलग-अलग असर होता है। पेट में अल्सर की प्रॉब्लम हो सकती है। लगातार इसको खाने से लीवर पर असर पड़ता है। सब स्टैंडर्ड घी खाने से कोलेस्ट्रॉल की प्रॉब्लम हो जाती है। दिल का दौरा पड़ सकता है।

प्रसाद में मिलावट करने वाले प्रभु के दोषी है। हनुमानगढ़ी के बाहर दुकानों पर बिक रहे सामान की जांच लगातार होनी चाहिए।

**संजय दास संत**
(हनुमानगढ़ी)

विभाग ने 31 दुकानों से नमूने लिए, जिनमें से 3 सैंपल लड्डू, बेसन और देसी घी फेल पाए गए हैं। इन उत्पादों की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं रही। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ दुकानदार कृत्रिम रंग मिला रहे हैं।

**मानिक चंद्र सिंह**
सहायक खाद्य आयुक्त
द्वितीय अयोध्या

---

**» (गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर स्वराज इंडिया विशेष)**

# गांधी जी की मूर्ति भी पूछ रही क्या मैं वोट नही दिला सकती !

**» गांधी को भूली सरकार,अफसरों की आंखों पर पट्टी**

**» गांधी सिर्फ नोटो पर अच्छे लगते है?**

**» राम की पैड़ी जहां महात्मा गांधी की अस्थियां प्रवाहित हुई वहाँ लग रहा गंदगी का अंबार**

**» प्रशासन की बेरुखी पर जनता में आक्रोश**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**अयोध्या। राम की पैड़ी पर स्थित गांधी घाट जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अस्थियां प्रवाहित की गई थीं-आज सरकारी उपेक्षा और लापरवाही का जीवंत उदाहरण बन चुका है। यह वही पावन स्थल है जिसे देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपनी उपस्थिति में ऐतिहासिक महत्व प्रदान किया था। लेकिन आज स्थिति यह है कि गांधी घाट पर लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा धूल-गंदगी और अराजकता के साये में कराह रही है।**

गांधी जी के आदर्शों और त्याग की गाथा सुनाने वाला यह स्थल नगर निगम, विकास प्राधिकरण और जिला

प्रशासन की बेरुखी का शिकार है। गंदे पानी का भराव, जानवरों का मल-मूत्र और दुकानदारों का कब्ज़ा यहां की पहचान बन चुके हैं। प्रतिमा की हालत इतनी खराब है कि श्रद्धालु सही से दर्शन तक नहीं कर पाते। कभी असामाजिक तत्वों ने उनकी प्रतिमा की आंख तक निकाल दी थी। स्थानीय गांधीवादी और अयोध्या नागरिक मंच लंबे समय से इस घाट के सौंदर्यीकरण की मांग कर रहे हैं। मंच ने ऐलान किया है कि अगर जल्द सरकार ने ध्यान नहीं दिया तो आगामी 30 जनवरी 2026 को गांधी

**अयोध्या नागरिक मंच की मांगें**

गांधी घाट पर नई आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाए।
घाट का पूर्ण सौंदर्यीकरण कराया जाए।
प्रतिमा की सुरक्षा और नियमित संरक्षण व्यवस्था सुनिश्चित हो।
जनता का सवाल साफ है-क्या राष्ट्रपिता की स्मृति से जुड़े इस स्थल को सरकार यूं ही उपेक्षित छोड़ देगी?
यह सिर्फ उपेक्षा नहीं, बल्कि गांधी जी के विचारों और उनकी विरासत का अपमान है।

घाट पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

गौरतलब है कि 2000 में तत्कालीन डीएम अर्चना अग्रवाल ने गांधी घाट के सौंदर्यीकरण का निर्णय लिया था, लेकिन ट्रांसफर के बाद मामला फाइलों में दबकर रह गया। इसके बाद 24 सालों में राम की पैड़ी कई बार निखारी गई, मगर गांधी घाट हमेशा उपेक्षित रहा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सरकारें राममंदिर के नाम पर अयोध्या का चेहरा चमकाने में करोड़ों खर्च कर रही हैं, लेकिन गांधी जी की प्रतिमा और उनसे जुड़ा यह ऐतिहासिक स्थल गंदगी में डूबा पड़ा है।

---

# अयोध्या में अग्नि सुरक्षा का नया पहरेदार फायर बुलेट

**» एसएसपी की दूरदृष्टि ने निकाला मुश्किल हालातों का आसान समाधान**

**» अयोध्या में फायर बुलेट का जलवा**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**अयोध्या। दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर रामनगरी की गलियां इन दिनों एक अनोखी लाल बुलेट की गूंज से सुरक्षित महसूस कर रही हैं। चौक-घंटाघर पर खड़ी दिखने वाली यह फायर बुलेट अब आग से लड़ने का तेज़ और भरोसेमंद हथियार है। दुर्गा पूजा महोत्सव का पर्व, जगह-जगह सजे मां दुर्गा के भव्य पंडाल, हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ और बीच शहर फैजाबाद (अयोध्या) चौक घंटाघर। यहां लोगों की निगाहें केवल देवी प्रतिमाओं पर नहीं टिकतीं, बल्कि लाल रंग की खड़ी एक खास बुलेट बाइक पर भी जाती हैं। यह कोई आम बाइक नहीं, बल्कि 'फायर बुलेट' है -आग की लपटों को मिनटों में काबू करने वाली दमकल विभाग की नई ताकत।**

यह पहल अयोध्या के एसएसपी डॉ0 गौरव ग्रोवर की सजगता और दूरदर्शी सोच का नतीजा है। सुरक्षा इंतजामों में नवाचार को शामिल करते हुए उन्होंने इस फायर बाइक को अयोध्या में तैनात कराया है। भीड़भाड़ वाले इलाके, संकरी गलियां और अचानक लगने वाली आग जैसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए यह बाइक अब दमकल विभाग का सबसे तेज और भरोसेमंद हथियार बन चुकी है।

**क्या है 'फायर बुलेट' की खासियत?**

दमकल विभाग के फायरमैन दुर्गेश तिवारी बताते हैं कि इस बाइक में डिक्की के स्थान पर दोनों ओर 30-30 लीटर पानी की टंकी लगी है। बाइक पर ही पंप और मोटर फिट है, जिससे वॉटर फायर सिस्टम सीधे सक्रिय होता है। खास बात यह है कि इसमें पानी लगातार धारा के बजाय कट-कट कर निकलता है, जिससे करंट बाइक या फायरमैन तक नहीं लौटता। बता दे कि बीते दिन चौक घंटाघर में बिजली के खंभे पर लगी आग इसी बुलेट से कुछ ही मिनटों में बुझा दी गई। जहां परंपरागत बड़े फायर टेंडर नहीं पहुंच पाते, वहां यह बाइक पलक झपकते ही पहुंच जाती है स्थानीय लोगों का कहना है कि एसएसपी डॉ0 गौरव ग्रोवर ने जिस तरह त्योहारों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, वह काबिल-ए-तारीफ है। लोग मानते हैं कि अब आग लगने की स्थिति में दमकल का इंतजार नहीं, बल्कि तुरंत राहत संभव है। अयोध्या में दुर्गा पूजा महोत्सव की भीड़भाड़ के बीच एसएसपी की पहल पर तैनात यह फायर बुलेट सुरक्षा इंतजामों में एक क्रांतिकारी कदम साबित हो रही है। फायर बुलेट की गूंज अब सिर्फ घंटाघर चौक तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि आने वाले समय में यह हर बड़े आयोजन और आपात स्थिति की पहली जरूरत बनेगी।

# सीएम योगी ने कन्याओं के पांव पखारे

## गोरक्षपीठाधीश्वर ने विधि विधान से पूजन कर नौ दुर्गा स्वरूपों का लिया आशीर्वाद

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**गोरखपुर। सीएम योगी ने आज बुधवार को शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि पर गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुरूप कन्या पूजन किया। गोरखनाथ मंदिर में आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, उनका विधि विधान से पूजन किया, चुनरी ओढाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया, दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परंपरा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया।**

कन्याओं और बटुकों को अपने हाथों से भोजन परोसते सीएम योगी

बुधवार को मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मंदिर के अन्न क्षेत्र के प्रथम तल स्थित भोजन कक्ष में पीतल के परात में जल से नौ नन्ही बालिकाओं के बारी-बारी पांव धोये। दुर्गा सप्तशती के मंत्रोच्चार के बीच उनके माथे पर रोली, चंदन, दही, अक्षत आदि का तिलक लगाया। पुष्प और दुर्वा से उनका अभिषेक किया। माला पहनाकर, चुनरी ओढ़ाकर, उपहार और दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने छह महीने की एक बच्ची के भी पांव पखारे और पूजन कर आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री ने हनुमानजी के वेश में आए एक बालक को भी तिलक लगाया और माला पहनाकर अंगवस्त्र ओढ़ाया। पूजन के बाद कन्याओं और बटुकों को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद सीएम योगी ने अपने हाथों से परोसा। नौ कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंची बालिकाओं और बटुकों का भी मुख्यमंत्री ने पूजन कर आरती उतारी। सभी को श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार और दक्षिणा दिया गया।

सीएम योगी आदित्यनाथ का प्यार-दुलार पाने के लिए नन्हीं बालिकाओं और बटुकों की आतुरता देखते ही बन रही थी। सत्कार और स्नेह के भाव से मुख्यमंत्री ने एक-एक कर नौ कन्याओं और बटुक भैरव के पांव पखारे और पूजन किया। इस दौरान सीएम योगी के हाथों दक्षिणा मिलने से ये बालिकाएं काफी प्रफुल्लित दिखीं। पूजन के बाद कन्याओं और बटुकों को स्वयं अपने हाथों से भोजन परोसते समय सीएम निरंतर संवाद भी करते रहे। यह भी ख्याल रखते रहे कि किसी भी बालक-बालिका की थाली में प्रसाद की कोई कमी न रहे। इसे लेकर वह मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को निर्देशित करते रहे।

कन्या पूजन के दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, काशी से आए जगद्गुरु स्वामी संतोषाचार्य सतुआ बाबा आदि मौजूद रहे। सीएम योगी ने कन्या पूजन से पूर्व प्रातःकाल के पूजन सत्र में मंदिर के शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से आराधना की।

# योगी सरकार की सख्ती से यूपी में सांप्रदायिक हिंसा पूरी तरह खत्म

## एनसीआरबी रिपोर्ट के अनुसार, देश के मुकाबले यूपी में अपराध एक चौथाई कम

## कानून व्यवस्था बनी मिसाल

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**लखनऊ। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की क्राइम इन इंडिया 2023 रिपोर्ट ने उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार की कानून-व्यवस्था की सराहना की है। एनसीआरबी के आंकड़े के मुताबिक 2023 में यूपी में सांप्रदायिक एवं धार्मिक दंगों की संख्या शून्य रही है। योगी से पहले यूपी में ऐसा कभी नहीं हुआ। यही नहीं पूरे देश के मुकाबले यूपी में अपराध एक चौथाई कम है। देश के सबसे बड़े राज्य में कुल अपराध दर राष्ट्रीय औसत से 25 फीसदी कम रही, जो 448.3 के मुकाबले 335.3 रही। एनसीआरबी के आंकड़े साबित करते हैं कि 2017 के बाद यूपी अब शांति व सामाजिक सदभाव का गढ़ बन चुका है।**

एनसीआरबी रिपोर्ट में यूपी में सांप्रदायिक दंगों की संख्या शून्य बताई गई, जो 2017 से प्रदेश में चली आ रही जीरो टॉलरेंस नीति का जीवंत उदाहरण है। वहीं दूसरी ओर 2012-2017 के बीच पांच वर्षों की बात करें तो ये आंकड़े भयावह हैं। आंकड़ों के अनुसार 815 दंगे हुए, जिनमें 192 लोगों की जान गई, जबकि 2007-2011 में 616 घटनाओं में 121 मौतें हुईं। इसके विपरीत, 2017 के बाद यूपी में कोई बड़ा दंगा नहीं हुआ। बरेली और बहराइच में दो हिंसक झड़पें हुईं, लेकिन योगी सरकार ने 24 घंटे के भीतर शांति बहाल कर स्थिति को नियंत्रित किया। बरेली की घटना पर त्वरित कार्रवाई ने कानून-व्यवस्था को और मजबूती प्रदान की है।

### सख्त कानून व्यवस्था ने अपराधों पर लगाया लगाम

सीएम योगी की सख्त नीतियों की वजह से राज्य में अपराध पर लगाम लगा है एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, यूपी में विभिन्न अपराध श्रेणियों में राष्ट्रीय औसत से उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। बलवा के मामलों में भारत में 39,260 मामले (क्राइम रेट 2.8) के मुकाबले यूपी में 3,160 मामले (क्राइम रेट 1.3) रहे, जो राष्ट्रीय औसत से आधी से भी कम है और यूपी को देश में 20वें स्थान पर है। वहीं फिरौती के लिए अपहरण के मामले देश में 615 घटनाएं हुई जिसकी तुलना में यूपी में मात्र 16 घटनाओं के साथ देश में 36वें स्थान पर है। डकैती (ढ्क्ष्ट 395) के मामलों में भारत में 3,792 (क्राइम रेट 0.3) के मुकाबले यूपी में 73 मामले दर्ज हुए, जो इसे %नियर जीरो% क्राइम रेट की श्रेणी में लाता है। बड़ी जनसंख्या के बावजूद यह कमी योगी सरकार की सख्त नीतियों और त्वरित कार्रवाई का परिणाम है।

### शांति और सुरक्षा के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही सरकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पारदर्शी शासन, सख्त कानूनी कार्रवाई ने अपराधों पर अंकुश लगाने में कामयाब हुई है। एनसीआरबी की रिपोर्ट योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का परिणाम है। यूपी में शांति और सुरक्षा के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही योगी सरकार की यह उपलब्धि न केवल यूपी के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा है।